Roll No. .....

Total No. of Pages : 7

Total No. of Questions : 12

प्रथमा तृतीय वर्ष (8वीं) वार्षिक परीक्षा 2022-23

विषय कोड : 0809

हिंदी (ऐच्छिक)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

निर्देश — सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

(*i*) हिन्दी के छायावादी कवियों की त्रिमूर्ति नहीं है :

(अ) निराला

(ब) प्रसाद

(स) पंत

(द) कबीर

(*ii*) जिन कुण्डलियों का प्रारम्भ 'साईं' शब्द से हुआ है, वे रचित हैं—

(अ) कवि गिरधर

(ब) गिरधर की पत्नी

(स) काका हाथरसी

(द) दीनदयाल

(iii) 'आत्मविश्वास' पाठ के लेखक हैं–

(अ) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ब) गुणाकर मूले

(स) शिवानी

(द) डॉ. परशुराम शुक्ल

(iv) 'शैशवकाल' शब्द का समास विग्रह होगा :

(अ) शैशव से काल

(ब) शैशव को काल

(स) शैशव का काल

(द) शैशव में काल

(v) प्रख्यात सरोद वादक थे–

(अ) अलाउद्दीन खाँ

(ब) कुमार गन्धर्व

(स) तानसेन

(द) बिस्मिल्लाह खाँ

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर लिखिए : 5×1=5

(i) 'मृगतृष्णा' एक प्रकार का ..... है।

(मर्म/भ्रम/धर्म)

(ii) भारतीय महीनों के नाम ..... पर आधारित हैं।

(नक्षत्रों/ग्रहों/उपग्रहों)

(iii) 'बेबस' शब्द में ..... उपसर्ग है।

(बेब/बे/स)

(iv) साबरमती आश्रम ..... में है।

(मध्य प्रदेश/गुजरात/आंध्र प्रदेश)

(v) भारत छोड़ो आन्दोलन ..... ने चलाया था।

(नेहरूजी/गाँधीजी/लोकमान्य तिलक)

3. अति लघु उत्तरीय प्रश्न : 6×3=18

(i) तुलसीदास ने किस-किसके उद्धार का उल्लेख किया है ?

(ii) बिरसा रोगियों का उपचार कैसे करते थे ?

(iii) रोलट एक्ट से क्या अभिप्राय है ?

(iv) उपमा अलंकार की परिभाषा लिखिए।

(v) मात्रिक छन्द का उदाहरण लिखिए।

(vi) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई **तीन**) :

निमंत्रण, सिद्धान्त, अनुष्ठान, तिलांजलि, कृतकृत्य, कण्ठस्थ।

4. लघु उत्तरीय प्रश्न : 4×5=20

(i) आर्यभट्ट ने सूर्य ग्रहण और चन्द्रग्रहण के विषय में क्या विचार व्यक्त किए थे ?

(ii) 'तलवार सोई है' से क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) निम्नलिखित मुहावरों/कहावतों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(अ) यथा नाम तथा गुण

(ब) टोह में रहना

(स) नब्ज टटोलना

(द) माले मुफ्त दिले बेरहम

(iv) निम्न गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

स्वार्थ और परमार्थ मानव की दो प्रवृत्तियाँ हैं। हम अधिकतर सभी कार्य अपने लिए करते हैं, 'पर' के लिए सर्वस्व बलिदान करना ही सच्ची मानवता है। यही धर्म, यही पुण्य है। इसे ही परोपकार कहते हैं। प्रकृति हमें निरन्तर परोपकार का संदेश देती है। नदी दूसरों के लिए बहती है। वृक्ष मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए ही धूप, आँधी, वर्षा और तूफानों में अपना सब कुछ बलिदान कर देते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) सच्ची मानवता क्या है ?

(iii) वृक्ष हमें परोपकार का संदेश कैसे देते हैं ?

(iv) इस गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

5. लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5

संगीत का वास्तविक महत्व कब होता है ? संगीत की महिमा अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

अथवा

अमृता देवी वृक्षों की रक्षा और किस प्रकार से कर सकती थीं ? सोचकर लिखिए।

6. किस स्थिति में कदम-कदम पर मनुष्य अपने आपको घोर निराशा में देखता है ? अपने अनुभव लिखिए। 1×5=5

अथवा

कवि प्रकृति की हर वस्तु में नया रूप क्यों देखना चाह रहा है ? अपना मत स्पष्ट कीजिए।

7. लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5

सत्याग्रह–आश्रम वासियों को किन नियमों का पालन करना पड़ता था ? क्या आपने कभी उन नियमों का पालन किया है ? अपने अनुभव लिखिए।

अथवा

प्राणायाम के लाभ अपने अनुभव के आधार पर लिखिए।

8. लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5

अपने प्रधानाध्यापक को फीस माफ करने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को भाई की शादी में आने हेतु आमंत्रण-पत्र लिखिए।

9. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 1×8=8

निम्नलिखित गद्यांश की सन्दर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए :

ज्ञान या स्वाध्याय का अर्थ हमें स्वयं को जानना है। विद्या ग्रहण करने के बाद भी जिसने स्वयं को न जाना वह उसी व्यक्ति के समान है जिसके पास नक्शा तो है पर मार्ग नहीं सूझता। ज्ञान हमें रास्ता बताता है। इससे हमारी विचार शक्ति बढ़ती है और देखने की शक्ति व्यापक हो जाती है तथा मनन करने की शक्ति में वृद्धि हो जाती है। हम किसी परिणाम पर युक्तियुक्त ढंग से पहुँचने का प्रयत्न करते हैं।

अथवा

सच बात यह है कि जब कोई विरोधी हमारे सामने आता है तो हम अपनी आत्महीनता से कायरता से, कुसंस्कार से, आत्मविश्वास की कमी से, विरोधी का और अपना बल तौले बिना ही उसे अपने से शक्तिशाली मान लेते हैं। बस यही मानना हमारी शक्ति को आधी कर देता है और हम से ही वह आधी शक्ति हमारे विरोधी को प्राप्त हो जाती है और इस अर्थ में हम उससे आधे रह जाते हैं।

1×8=8

10. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

निम्नलिखित पद्यांश का सन्दर्भ-प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए :

मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै।

जैसे उड़ि जहाज को पंछी, फिरि जहाज पर आवै।

कमल-नैन को छाँड़ि महातम और देव को ध्यावै।

परम गंग कौ छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै।

अथवा

दौलत पाय न कीजिए, सपने में अभिमान।

चंचल जल दिन चारि को ठाँऊ न रहत निदान॥

ठाँउ न रहत निदान, जियत जग में जस लीजै॥

मीठे वचन सुनाय, विनय सब ही सौं कीजै॥

11. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

'वसीयतनामे का रहस्य' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 1×8=8

अथवा

'गीता का मर्म' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

12. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर 200 शब्दों में निबंध लिखिए : 1×8=8

(क) दहेज प्रथा : एक सामाजिक समस्या

(ख) पर्यावरण प्रदूषण

(ग) विद्यार्थी जीवन

(घ) किसी खेल का आँखों देखा वर्णन

(ङ) विज्ञान वरदान है या अभिशाप।